

Explanation content :-

‘एक तिनका’ कविता ‘अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध’ द्वारा रचित है। इस कविता के माध्यम से कवि लोगों को घमंड न करने की सलाह दे रहे हैं। कवि कहते हैं कि घमंड से भरा व्यक्ति किसी का भी अपमान करने से नहीं चूकता। उसके लिए सिर्फ यही आवश्यक है कि वह सबसे बड़ा है। कवि ने स्वयं के साथ हुए अनुभव से लोगों को संदेश देने का प्रयास किया है। कवि कहता है कि एक बार वह बहुत घमंड से भरा हुआ था। किसी को अपने समक्ष कुछ नहीं समझता था। एक दिन वह अपनी छत की मुंडेर पर खड़ा हुआ था तभी एकाएक कोई तिनका हवा में उड़ता हुआ उसकी आँख में आकर पड़ गया। अचानक ही वह बेचैन हो उठा। उसकी आँख लाल हो गई और दुखने लगी। लोग उसकी मदद के लिए आए और कपड़े से उसकी आँखों में पड़ा तिनका निकालने लगे। उस छोटे से तिनके ने कवि के घमंड को चूर-चूर कर दिया। किसी तरह जब तिनका उसकी आँख से निकला, तब कवि की बुद्धि ने उसे ताना दिया कि वह किस बात पर इतना घमंड कर रहा था। उसके घमंड को चूर-चूर करने के लिए तो एक ज़रा-सा तिनका ही काफी था।